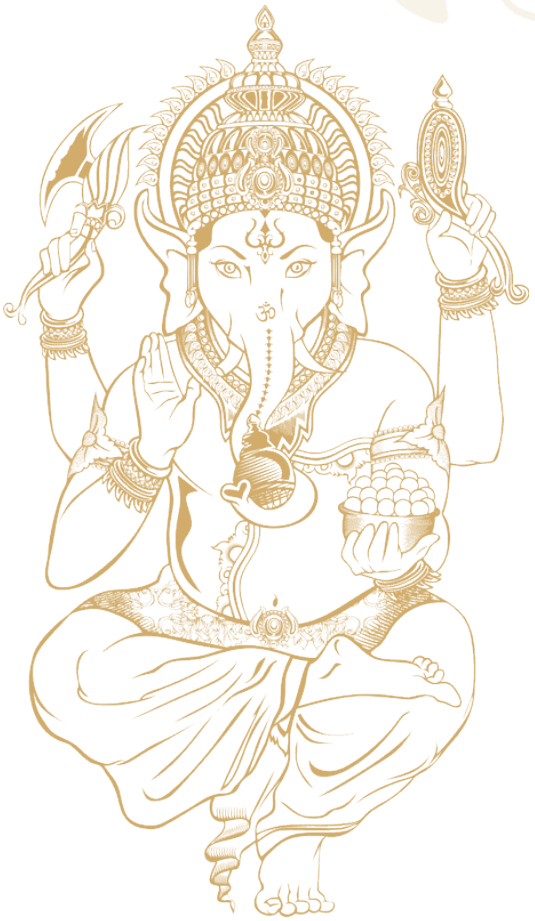

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121840003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/03/1996	जन्म तिथि	05/08/1995
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 22:31:24	जन्म समय	10:39:00 घंटे
घटी 40:51:59	जन्म समय(घटी)	13:11:53 घटी
India	देश	India
Buxur	स्थान	Varanasi
25:35:00 उत्तर	अक्षांश	25:20:00 उत्तर
84:00:00 पूर्व	रेखांश	83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:06:00	स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:10:36	सूर्योदय	05:26:38
17:59:17	सूर्यास्त	18:40:59
23:48:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:54

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 5मा 2दि	25:54:03	तुला	लग्न	कन्या	27:24:22	गुरु 0वर्ष 10मा 15दि
गुरु	24:36:23	कुंभ	सूर्य	कर्क	18:32:23	बुध
11/08/2015	03:57:24	तुला	चंद्र	वृश्चि	02:36:13	21/06/2015
11/08/2031	23:43:30	कुंभ	मंगल	कन्या	15:07:08	20/06/2032
गुरु 28/09/2017	08:10:17	कुंभ	बुध	कर्क	27:13:47	बुध 16/11/2017
शनि 10/04/2020	19:10:08	धनु	गुरु	वृश्चि	11:44:31	केतु 13/11/2018
बुध 17/07/2022	09:06:51	मेष	शुक्र	कर्क	14:11:24	शुक्र 13/09/2021
केतु 23/06/2023	02:32:31	मीन	शनि व	मीन	00:13:54	सूर्य 21/07/2022
शुक्र 21/02/2026	23:28:57	कन्या	राहु व	तुला	06:05:27	चन्द्र 20/12/2023
सूर्य 10/12/2026	23:28:57	मीन	केतु व	मेष	06:05:27	मंगल 16/12/2024
चन्द्र 10/04/2028	09:17:59	मक	हर्ष व	मक	04:07:29	राहु 06/07/2027
मंगल 17/03/2029	03:13:57	मक	नेप व	धनु	29:51:41	गुरु 11/10/2029
राहु 11/08/2031	09:18:28	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	04:01:17	शनि 20/06/2032

लग्न-चलित

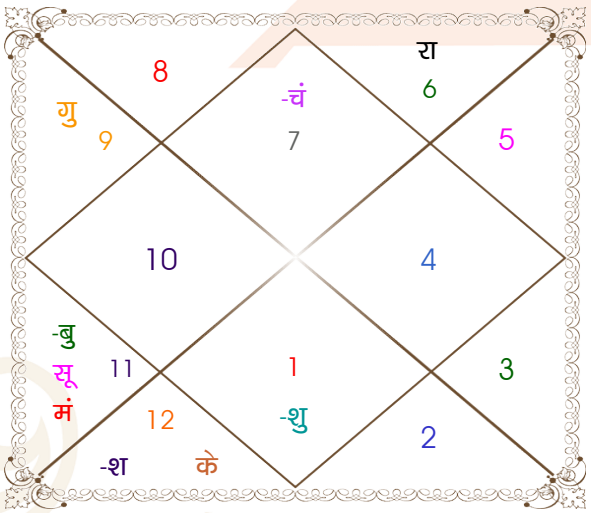

लग्न-चलित

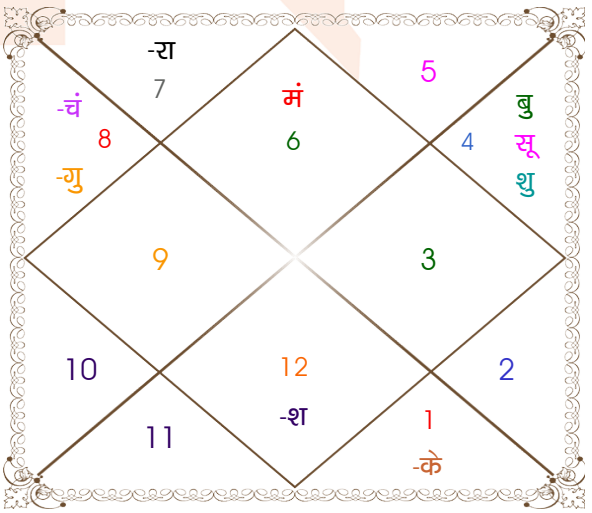

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	व्याघ्र	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।